S-266

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-602

गद्य एवं पद्य काव्य भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. 'दशकुमारचरितम्' के सन्दर्भ में महाकवि दण्डी के कवि-कर्म-कौशल का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक का ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) 'विरहानलसंतप्तहृदयस्पर्शेन नूनमुष्णीकृतः स्वल्पीभवति मलयानिलः। नवपल्लवकल्पितं तल्पमिदमनङ्गाग्निशिखापटलमिव सन्तापं तनोस्तनोति। हरिचन्दमपि पुरा निजयनिष्टसंश्लेषवदुरग-रदनलिप्तौल्वणगरलसंकलितमिव तापयति शरीरम्। तस्मादलमलमायासेनशीतलोपचारे। लाण्यजितमारो राजकुमार एवागदंकारो मन्मथज्वरापहरणे। सोऽपि लब्धुमशक्यो मया। किं करोमि' इति।

(ख) 'तौ च चिरविरहदुःख विसृज्यान्योन्यालिङ्गनसुखमन्वभूताम्। ततस्तस्यैव महीरूहस्य छायायामुपविश्य राजा सादरहासमभाषतवयस्य! भूसुरकार्य करिष्णुरहं मित्रगणो विदितार्थः सर्वथान्तरायं करिष्यतीते निद्रितान्भवतः परित्यज्य निगाम्। तदनु प्रबुद्धो वयस्यवर्णःकिमिति निश्चित्य मदन्वेषणाय कुत्र गतवान्। भवानेकाको कुत्र गतः'? इति। सोऽपि ललाटतटचुम्बदञ्जलिपुटः सविनयमलपत्।

3. संस्कृत गद्यकाव्यों में 'दशकुमारचरितम्' के स्थान एवं महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।

4. सुबन्धु के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा

'दशकुमारचरितम्' के पंचम उच्छवास में वर्णित कथा प्रसंग का वर्णन कीजिए।

5. वासवदत्ता की कथा के कथानक पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. निम्नलिखित गद्यांश का ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   कार्पण्यविवर्णवदनो महदाशापूर्णमानसाऽवोचदग्रजमा- 'महाभाग! सुतानेतान्मातृहीनाननेकेरुपायै रक्षन्निदानीमस्मिन्कुदेशे भैक्ष्यं-सम्पाद्य ददेतेभ्यो वसामि शिवालयेऽस्मिन्' इति।

2. धर्मार्थ काममोक्षाणां वैचक्षण्यं कलासु च।

   प्रीतिं करोति कीर्तिं च साधुकाव्यनिषेवणम्।। उक्त श्लोक का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3. "दण्डिनः पदलालित्यम्।" इस उक्ति की विवेचना कीजिए।

4. अवन्तिसुन्दरी का परिचय दीजिए।

5. दशकुमारचरितम् के प्रथम उच्छवास का कथासार लिखिए।

6. पंचम उच्छवास का कथासार लिखिए।

7. दशकुमारों के यात्रा वृतान्त का वर्णन कीजिए।

8. महाकवि बाणभट्ट का काल निर्धारण कीजिए।